

Under the Export-Import Policy, 1992-97 all items except those covered by Negative List of Imports are freely allowed except when they are regulated under any other law in force as given in para-8 of the policy. However, export-import Policy is constantly kept under review and changes therein are made as and when considered necessary.

चीनी का निर्यात

4208. श्री अजीत जोशी :
श्री छोटू भाई पटेल :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चीनी का अद्यतन स्टॉक स्थिति क्या है ; और

(ख) सरकार का कितनी मात्रा में चीनी का निर्यात करने का विचार है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) दिनांक 30 जून, 1992 की स्थिति के अनुसार चीनी के स्टॉक की स्थिति 7.63 मिलियन मी० टन होने का अनुमान था ।

(ख) वर्ष 1992-93 के दौरान निर्यात के लिए सरकार अब तक चीनी की 2.71 लाख मी० टन मात्रा रिलीज कर चुकी है ।

निर्यात योग्य वस्तुओं की कमी

4209 श्री ईश वत्त शादव : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि निर्यात योग्य वस्तुओं की मात्रा में कमी आई है ;

(ख) ऐसी वस्तुओं के उत्पादन में तेजी लाने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) उनके क्या परिणाम निकले हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) निर्यात योग्य वस्तुओं के रूप में अभिज्ञात मदों की श्रृंखला से कोई श्रेणी नहीं है । निर्यात घरेलू उत्पादन के स्तरों पर निर्भर करते हैं क्योंकि घरेलू मांग को पूरा करने के बाद बेशी सामान को ही निर्यात किया जाता है । वर्तमान अनुमानों के अनुसार वर्ष 1991-92 के दौरान औद्योगिक उत्पादन वर्ष 1990-91 की तुलना में लगभग स्थिर रहा । विशेष रूप से विनिर्मित सामान के उत्पादन में 1.8% की कमी आई ।

(ख) औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए गए हैं जिससे निर्यातों के लिए बेशी के सृजन में मदद मिलेगी । इनमें 24 जुलाई, 1991 को घोषित नई औद्योगिक नीति का कार्यान्वयन शामिल है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ यह व्यवस्था भी की गई है कि औद्योगिक क्षेत्र को काफी हद तक नियंत्रण-मुक्त किया जाए और उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में विदेशी पूंजी निवेश को बढ़ावा मिले । व्यापार नीति में वर्ष 1991 में शुरू किए गए मुद्रारों और नई निर्यात-आयात नीति में आयात लाइसेंस को समाप्त करने की व्यवस्था की गई है । केन्द्रीय बजट में किए गए उपाय जैसे ड्यूटी का कम किया जाना, चल निधि के अनुपात में सांविधिक रूप से कमी करना, ब्याज की दरों में कमी करना आदि जैसे किए गए उपायों से औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि होने की आशा है ।

(ग) अप्रैल, 1992 में औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक में अप्रैल, 91 की अपेक्षा 4.1% की वृद्धि दिखाई दी है ।

Earnings of Tea Companies in Assam

4210. SHRI BHADRESHWAR BUR-AGOHAIN; Will the Minister of COMMERCE be pleased to state-

(a) what is the total amount of money earned in terms of rupees by the Tea Companies in Assam during 1991-92;

(b) whether these Tea Companies have spent any amount in Welfare Scheme for Assam; and

(c) if so, the details of the welfare measures taken by these companies?

THE DEPUTY MINISTER IN
THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI
SALMAN KHURSHEED): (a) to (c) This
information is being collected and will be laid
on the table of the house.

Import of RPD Palmolein Oil

4211. SHRI RAMSINH RATHWA: Will
the Minister of COMMERCE be pleased to
'state:

(a) whether it is a fact that the
Government of Gujarat was allowed to
directly import RPD Palmolein against the
exports of soda ash, if so, what are the details
thereof;

(b) what quantity of Palmolein was to be
imported under the scheme and what quantity
of soda ash was to be exported;

(c) what are the details of exports of soda
ash and imports of edible oils already done by
the Gujarat Government under the scheme;

(d) whether Government of Gujarat have
been unable to fully utilise the targets
permitted under the scheme; and

(e) whether Government propose to allow
Consumers Cooperative Societies to import
palmolein on similar terms and if not, the
reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN
THE MINISTRY OF COMMERCE
(SHRI SALMAN KHURSHEED):

(a) to (e) The proposal of the Government
of Gujarat to export Soda ash against import
of edible oil for Public Distribution System in
Gujarat was approved as an one-time
measure by the Government in August, 1991.
The Government of Gujarat was allowed to
import 30,000 MTs of RBD Palmolein
against export of approximately one lakh
MTs of Soda ash.

As per the information supplied by the
Government of Gujarat they have exported
3,000 MTs of Soda ash. How ever no
quantity of palmolein has been imported so
far under this scheme.

At present, there is no proposal under
consideration to allow Consumer Co-
operative Societies to import Palmolein on
similar terms.

यूनानी दवाओं का निर्यात

@4212. श्री मोहम्मद अफजल उर्फ
मीम अफजल : क्या वाणिज्य मंत्री यह
बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान
विदेशों को कितने मूल्य की यूनानी दवाओं
का निर्यात किया गया है ;

(ख) यूनानी दवाओं के संवर्धन हेतु
क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री
सलमान खुरशीद) : (क) चूँकि यूनानी
दवाएं भारतीय व्यापार वर्गीकरण सुसंगत
कोड के तहत अलग से वर्गीकृत नहीं की
गई हैं, अतः यूनानी दवाओं के निर्यात
आंकड़े अलग से नहीं रखे जाते हैं ।
तथापि, मूल रसायन, भेषजीय एवं प्रसाधन
सामग्री निर्यात संवर्धन परिषद (केमेक्सिल)
बम्बई द्वारा दी गई सूचना के अनुसार
मोटे तौर पर आयुर्वेदिक, यूनानी और सिद्ध